सांसद खेल महाकुंभ 2021 में संबोधन

जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्धार्थनगर में सांसद खेल महाकुंभ 2021 ने आए हुए तमाम खेल प्रतिभाओं का मैं तहे दिल से हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

आज मैं अपने सामने खेल की प्रतिभाओं को देख रहा हूं जिनके मन में अपने-अपने खेलों में सर्वश्रेष्ठ कर गुजरने की आकांक्षा है।

आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर एवं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देश पर आयोजित यह सांसद खेल महाकुंभ वास्तव में ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का एक अवसर है।

यह खेल महाकुंभ कुछ कुछ ओलंपिक का देसी वर्जन कहा जा सकता है। मुझे बताया गया है कि जिले के कोने कोने से आने वाले युवा खिलाड़ी क्रिकेट, वॉलीबॉल, खो खो, फुटबॉल, एथलेटिक्स, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, डिस्कस थ्रो, गोला फेक, लंबी कूद, ऊंची कूद, बैडमिंटन रोड टेबल टेनिस जैसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे एवं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेंगे।

यह कार्यक्रम पिछले 19 नवंबर से लेकर 24 नवंबर तक चलेगा।

मेरे विचार से सांसदों द्वारा युवा खेल प्रतिभाओं को अवसर देने का यह एक सुनहरा मौका है। इसके आयोजन के लिए आयोजकगण का भी प्रयास सराहनीय है।

अब तक हमने सुना था कि "पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब खेलोगे कूदोगे होगे खराब"।

पर अब यह बदलाव का युग है। हमें अपनी युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में लगाना है, खपाना है। हमें उनकी प्रतिभाओं का मूल्यांकन करना है एवं उनके साथ न्याय करना है।

उनके अंदर छिपी असीमित ऊर्जा का सदुपयोग करना भी जरूरी है। क्योंकि युवा है जो समाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। वे चाहे तो समाज की दशा और दिशा को रातोंरात बदल सकते हैं।

सांसद खेल महाकुंभ उन्हीं अवसरों में से एक है जब हम उन प्रतिभाओं को मौका देकर राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

शास्त्रों में लिखा है कि अच्छे विचार सभी ओर से, और सभी दिशाओं से हमारी तरफ आनी चाहिए।

मेरा मानना है कि हमें सभी दिशाओं में उन प्रतिभाओं की तलाश करनी चाहिए जिन्हें हम पीवी सिंधु, सचिन तेंदुलकर, साइना नेहवाल, सानिया मिर्जा, गीता फोगाट, नरसिंह यादव, दीपिका कुमारी और मेरीकॉम बना सके।

जिला स्तर पर आयोजित यह खेल महाकुंभ वास्तव में प्रतिभाओं की नर्सरी सिद्ध हो सकती है, यह भी हम निष्पक्ष रुप से और पूरे मनोयोग से खेल प्रतिभाओं की तलाश करेंगे तो मुझे अवश्य ऐसे रत्न मिलेंगे।

खिलाड़ी होना कोई आसान काम नहीं है। उसके लिए आपके अंदर जोश, स्टैमिना, लगन, परिश्रम और निरंतरता की भावना होनी चाहिए।

वे खिलाड़ी होते हैं, जो अपनी समस्त ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में एकत्रित करके अपने आप को एक लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में लगाते हैं। उनके विचारों में अग्नि की-सी पवित्रता होती है। उनके मन कर्म और विचार एक जैसे होते हैं।

मेरा यह भी मानना है कि एक खिलाड़ी होना एक तपस्वी होने की तरह है। आप लंबे समय तक तब करते हैं, कठिन परिश्रम करते हैं, कईयों से प्रतिस्पर्धा करते हैं, अंत में विजय रूपी सफलता आपके कदम चूमती है।

खिलाड़ियों में टीम भावना होती है और यही टीम भावना उन्हें देश का भावी सभ्य नागरिक बनने में बहुत मदद करती है।

खेल के माध्यम से हमें उन सभी सद्भावना और अच्छे गुणों की प्रस्थापना करनी चाहिए जो जो स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बेहद आवश्यक है।

विकास की इस नई धारा में हमें बेहतरीन युवाओं की आवश्यकता है। खेल उनके अंदर इस प्रकार के सद्गुणों में वृद्धि करने का उत्तम उपाय है।

सभी खेल के कोचों से भी यह आग्रह करना चाहता हूं कि वह अपने आसपास में उन प्रतिभाओं को ढूंढे और उन्हें वह मौका दें जिसके लिए वे पात्र हैं।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का भी धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए यह नई परियोजना हमारे समक्ष प्रस्तुत की है।

मैं माननीय सांसद महोदय और हमारे साथी श्री जगदंबिका पाल जी की भी सराहना करना चाहूंगा कि उन्होंने जमीनी स्तर पर ऐसा आयोजन करके यह संदेश दिया है कि वे राष्ट्र को बदल सकते हैं।

आदरणीय जगदंबिका पाल जी मन, कर्म और विचार से अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों के प्रति समर्पित हैं। अपने कर्तव्य के प्रति वे पूर्णतया समर्पित है और उन्होंने अपने कर्तव्यों से यह दर्शा दिया है कि राजनेता वास्तव में उनके जैसा ही होना चाहिए।

मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे उनके जैसा मित्र प्राप्त हुआ है। वह बार-बार हमसे चर्चा संवाद करते रहते हैं और किस प्रकार हम ज्यादा से ज्यादा लोगों का कल्याण कर सके, इस विषय में हम लोग निरंतर आपस में विचार विमर्श करते रहते हैं।

मैं माननीय जगदंबिका पाल जी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस अवसर पर आमंत्रित किया और इस खेल महाकुंभ को संबोधित करने का अवसर प्रदान किया।

पर आज इस अवसर पर सभी युवा शक्तियों से आग्रह करना चाहता हूं कि वे स्वामी विवेकानंद जी से प्रेरणा लेते रहे जिन्होंने कहा था कि "उठो, जागो और तब तक संघर्ष करो जब तक कि आपका लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाता है।''

आप अपने विचारों की शक्ति को पहचानो। आप अपने अंदर की प्रतिभा को पहचानो और निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति में अपना सब कुछ झोंक दो। निश्चय ही आपको सफलता मिलेगी।

आज हमारे सामने विभिन्न खेलों के खिलाड़ी मौजूद है। मैं सभी का आह्वान करता हूं कि आप अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ देकर देश का मान बढ़ाएं।

आप स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहे, अपने खेल के प्रति समर्पित रहे, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे, इन्हीं भावनाओं के साथ मैं आप सभी को अपने अपने खेल में सफलता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना करता हूं।

मैं उन खिलाड़ियों से भी आग्रह करना चाहता हूं जिन्होंने अभी अपने सर्वश्रेष्ठ को नहीं प्राप्त कर पाए हैं। परंतु कोई दिक्कत नहीं, आपको अपने प्रयास को और बढ़ाना है और उसे वहां तक ले जाना है जहां पर सफलता आपका इंतजार कर रही होती है।

मैं यहां उपस्थित सभी खेल प्रतिभाओं का हार्दिक अभिनंदन करता हूं, धन्यवाद।